

X

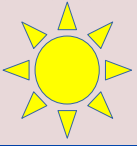
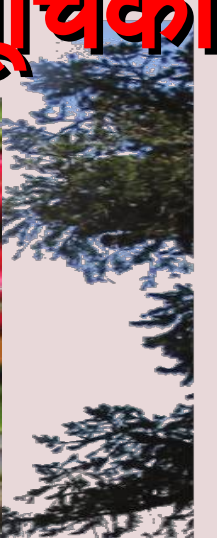
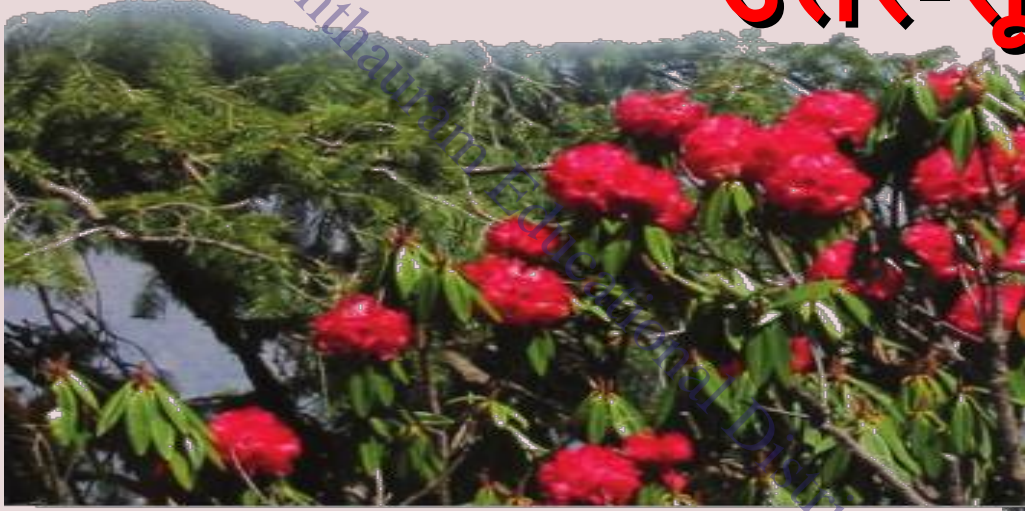


हिंदी

उत्तर-सूचिका

नमो भगवते वासुदेवाय
अस्य कृष्णस्य जन्मदिने
सर्वे भक्त्या भजन्ति

Thiruvananthapuram



HINDI WORKSHEET

14

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

बसंत मेरे गाँव का

मुकेश नौटियाल

लेख

'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें

मकर संक्रांति के बाद सूरज पंचाचूली के शिखरों से चौखंभा पर्वत की तरफ़ खिसकना शुरू कर देता है। दादी कहती थीं कि जेठ तक सूरज हर सुबह बालिशत भर छल्लांग मारता है। पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को पूरे चार महीने का समय लग जाता है।

पंचाचूली की पाँच बर्फ़ानी चोटियों और चौखंभा के चार शिखरों के ऐन बीच में जो पहाड़ नज़र आ रहा है वह नंदा पर्वत है। सूरज पंचाचूली से खिसककर जब नंदा पर्वत तक पहुँचता है तो पहाड़ों में फ्यौली के पीले फूल खिलने लगते हैं। पहाड़ी ढलानों पर खूबसूरती से कटे सीढ़ीनुमा खेतों में मेहँ की हरियाली के बीच सरसों की पीलाई पसर जाती है। बसंत

बौराने लगता है।

बसंत फूलदेई का त्यौहार लेकर आता है। देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं। इन फूलों को रिंगाल (बाँस की एक प्रजाति) से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है। टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है ताकि वे सुबह तक मुरझा न पाएँ। सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं। पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं। जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं वे बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं। दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है।

- फूलदेई का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
(बसंत ऋतु में , वर्षा ऋतु में , ग्रीष्म ऋतु में)

बसंत ऋतु में

- ' पीले फूल ' में ' पीले ' शब्द किसको सूचित करता है ?

विशेषण

(विशेषण, क्रिया, संज्ञा)

- ' जिनके ' में निहित सर्वनाम कौन-सा है ?
(जिन, जिस, जो)

जो

- पंचाचूली पर्वत की कितनी चोटियाँ हैं ?
(पाँच , चार , तीन)

पाँच

- 'बसंत मेरे गाँव का' किस विधा की रचना है ?
(लेख, कहानी, कविता)

लेख

- ' पौ फटना ' से क्या तात्पर्य है ?
(प्रभात होना , रात होना , वर्षा होना)

प्रभात होना

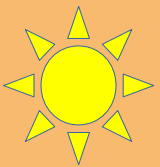


सही मिलान करें।



मकर संक्रांति के बाद सूरज चुने गए फूलों को	नंदा पर्वत स्थित है।
दक्षिणा में मिली सामग्री	पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है।
बसंत	चौखंभा पर्वत की तरफ़ खिसकना शुरू कर देता है।
सरसों का फूल	पीले रंग का है।
सूरज नंदा पर्वत तक पहुँचता है	बौराने लगता है।
पंचाचूली और चौखंभा के बीच	रिंगाल से बनी टोकरियों में रखा जाता है।
	तो फ्योंली के फूल खिलने लगते हैं।

मकर संक्रांति के बाद सूरज चुने गए फूलों को	चौखंभा पर्वत की तरफ़ खिसकना शुरू कर देता है।
दक्षिणा में मिली सामग्री	रिंगाल से बनी टोकरियों में रखा जाता है।
बसंत	पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है।
सरसों का फूल	बौराने लगता है।
सूरज नंदा पर्वत तक पहुँचता है	पीले रंग का है।
पंचाचूली और चौखंभा के बीच	तो फ्योंली के फूल खिलने लगते हैं।
	नंदा पर्वत स्थित है।



(पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को चार महीने का समय लग जाता है।)



पंचाचूली



नंदा पर्वत



चौखंभा

उत्तराखण्ड के हिमालयी अंचल में फूलदेई त्यौहार मनाया गया – सूचनाओं की सहायता से इससे संबंधित रपट तैयार करें।

बच्चों का कोई दूसरा त्यौहार नहीं है।
घरवाले बच्चों को दक्षिणा के रूप में चावल, दाल, गुड़ आदि देते थे।
बच्चे गाँव भर घूमकर फूल चुना करते थे।
पानी से भरी गागरों के ऊपर रखे जाते थे।
इक्कीस दिनों से फूलदेई का त्यौहार मनाया जा रहा था।

फूलदेई त्यौहार धूमधाम से मनाया गया।

उत्तराखण्ड : यहाँ के हिमालयी अंचल में इक्कीस दिनों से फूलदेई का त्यौहार मनाया जा रहा था। इस त्यौहार में

बड़ों की भूमिका सलाह देना मात्र रहा। बच्चे गाँव भर

घूमकर फूल चुना करते थे।

देर शाम तक चुने फूलों को

रिंगाल से बनी टोकरियों में रखे जाते थे। फिर इन टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों

के ऊपर रखे जाते थे। गाँव के घरों की देहरियों को इन्हीं फूलों से सजाया जाता था।



घरवाले बच्चों को दक्षिणा के रूप में चावल, दाल, गुड़ आदि

देते थे। इक्कीस दिनों से इकट्ठी की गयी इन सामग्रियों से बच्चों ने सामूहिक भोज

तैयार किया। त्यौहार के

दिनों में नाटक, लोकगीत

आदि विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए। उत्तराखण्ड

के हिमालयी अंचल में

फूलदेई से बड़ा बच्चों का

कोई दूसरा त्यौहार नहीं है।

सूचनाओं की सहायता से ' प्रकृति और मनुष्य का आपसी संबंध ' विषय पर एक पोस्टर तैयार करें ।

सुरक्षा अस्तित्व प्रकृति
स्वच्छ जीवन

प्रकृति की रक्षा हमारी सुरक्षा



स्वच्छ प्रकृति स्वच्छ जीवन का आधार

प्रकृति को संभालो
प्रकृति नहीं है तो मनुष्य नहीं